इंडिया इनोवेशन इंडेक्स में झारखंड को मिला 10वाँ स्थान

चर्चा में क्यों?

21 जुलाई, 2022 को नीतिआयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी द्वारा जारी इंडिया इनोवेशन इंडेक्स-2021 में 17 प्रमुख राज्यों की श्रेणी में झारखंड को 10वाँ स्थान मिला है।

प्रमुख बिंदु

- नीतिआयोग के तीसरे इंडिया इनोवेशन इंडेक्स में राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को उनके प्रदर्शन की प्रभावी तुलना करने के लिये 17 प्रमुख राज्यों, 10 पूर्वोत्तर और पहाड़ी राज्यों तथा 9 केंद्रशासित प्रदेशों व शहर-राज्यों की श्रेणी में वर्गीकृत किया गया था।
- 17 प्रमुख राज्यों की श्रेणी में कर्नाटक 01 अंक के साथ शीर्ष स्थान पर है, जबकि तेलंगाना (17.66 अंक) दूसरे और हरियाणा (16.35 अंक) तीसरे स्थान पर हैं। झारखंड (13.10 अंक) 10वें स्थान पर है। ओडिशा 11.42 अंक के साथ 16वें और छत्तीसगढ़ 10.97 अंक के साथ 17वें (अंतिम) स्थान पर हैं।
- पूर्वोत्तर और पहाड़ी राज्यों की श्रेणी में मणिपुर 37 अंकों के साथ शीर्ष स्थान पर है। इस श्रेणी में उत्तराखंड (17.67 अंक) दूसरे स्थान पर, जबकि नगालैंड (11.00 अंक) सबसे निचले पायदान पर है।
- केंद्रशासित प्रदेशों व शहर-राज्यों की श्रेणी में चंडीगढ़ (88 अंक) को शीर्ष स्थान मिला है। इस श्रेणी में दिल्ली (27.00 अंक) दूसरे स्थान पर, जबकि लद्दाख (5.91 अंक) सबसे निचले पायदान पर है।
- रिपोर्ट के अनुसार झारखंड में स्कूलों के प्रतिशत में लगभग 50 प्रतिशत अंकों का सुधार हुआ है। स्कूलों में आइसीटी लैब 23 प्रतिशत से बढ़कर 73 प्रतिशत हो गई हैं। पीएचडी में नामांकन भी बढ़ा है। हालाँकि, मामूली सुधार के साथ छात्र-शिक्षक अनुपात 60:1 है।
- जीएसडीपी के प्रतिशत के रूप में राज्य का एफडीआई प्रवाह भी लगभग 8 प्रतिशत से घटकर 5 प्रतिशत हो गया है। झारखंड के संबंध में रिपोर्ट कहती है कि महत्त्वपूर्ण औद्योगिक राज्य होने के नाते झारखंड इनोवेशन में रैंकिंग में ऊपर जाने की क्षमता रखता है।
- उल्लेखनीय है कि नीतिआयोग और प्रतिस्पर्द्धात्मकता संस्थान द्वारा तैयार इंडिया इनोवेशन इंडेक्स देश के इनोवेशन इकोसिस्टम के मूल्यांकन और विकास का एक माध्यम है। यह राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को उनके नवाचार प्रदर्शन के क्रम में रखता है, ताकि उनके बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्द्धा बनी रहे।
- इस इनोवेशन इंडेक्स को ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स की तर्ज़ पर तैयार किया गया है। पिछले संस्करणों में 36 संकेतकों के आधार पर विश्लेषण किया गया था, लेकिन इस बार 66 संकेतकों का इस्तेमाल किया गया। पहले और दूसरे इनोवेशन इंडेक्स क्रमश अक्टूबर 2019 तथा जनवरी 2021 में जारी किये गए थे।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/india-innovation-index,-2021-1